(ii) REPORTED DISCONTENTMENT AMONG CONSUMERS DUE TO INCREASE IN PRICE OF WHEAT SOLD BY FAIR PRICE SHOPS IN VARIOUS STATES.

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : (मंदसौर) : मैं केन्द्र द्वारा विभिन्न राज्यों में फेयर प्राइस शाप्स पर गेहूं के दाम या इश्य प्राइस 1-12-78 से बढ़ाये जाने के समाचार से आम उपभोक्ताओं में जो असन्तोष व्याप्त है उस की ओर नियम 377 के अधीन सरकार का ध्यान खींचना चाहता हूं ।

केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में यह निर्णय लिया गया है कि विभिन्न राज्यों तथा केन्द्र शासित क्षेत्रों में सरकार द्वारा फेयर प्राइस शाप्स के माध्यम से वितरित किये जाने वाले गेहूं का दाम प्रति क्विंटल पांच रुपये बढ़ा दिया जाए । इस समाचार से आम उपभोक्ताओं में काफी असन्तोष है । वैसे भी फेयर प्राइस शाप्स पर मिलने वाले गेहूं व खुले बाजार में मिलने वाले गेहूं के दामों में विशेष अन्तर नहीं है । यदि इस प्रकार से दाम बढ़ाये गए तो आम उपभोक्ताओं को विशेष लाभ नहीं होगा । साथ ही फेयर प्राइस शाप्स से खरीदने में भी कोई विशेष रुचि नहीं होगी । सरकार द्वारा घोषित नीति के परिपालन के भी विपरीत इस प्रकार का कदम होगा क्योंकि नीति के अनुसार बाजार भाव से कम दाम पर कोई वस्तु हो, यह आशय है किन्तु इससे वैसा सम्भव नहीं होगा । अतः सरकार अपने इस निर्णय पर पुनर्विचार करे जिस से कि आम उपभोक्ता संतुष्ट हो, उसे सस्ते दामों पर या बाजार से कम दाम पर गेहूं उपलब्ध हो सके । साथ ही सरकार की नीति का भी सही रूप में परिपालन हो सके । किसानों के लिये भी गेहूं के दाम बढ़ाने की बात कही गई है और वह ढाई रुपये प्रति क्विंटल है । वह भी आगामी फसल के लिए है । अतः इस दिशा में भी फेयर प्राइस शाप्स के लिए गेहूं के दाम बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है । जैसा मैंने कहा है किसानों के लिए केवल ढाई रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाये जा रहे हैं और आम उपभोक्ता के लिए पांच रुपये बढ़ा दिये जाएंगे, यह ठीक नहीं है । सरकार इस प्रश्न पर पुनर्विचार करे ।

(iii) BLOCKAGE OF ROADS DUE TO HEAVY SNOWFALL IN LADAKH AND NEED TO RUSH SUPPLIES TO THAT AREA.

श्रीमती पार्वती देवी (लद्दाख) : उपाध्यक्ष महोदय, इस वर्ष लद्दाख में अत्याधिक एवं अभूतपूर्व हिमपात हुआ है । कोजीला में इतनी अधिक बर्फ गिरी है कि लद्दाख में आने जाने के सब मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं और इस क्षेत्र का शेष भारत से सम्बन्ध टूट गया है । आवागमन के साधन समाप्त हो गए हैं । इस का परिणाम यह हुआ है कि लद्दाख में सभी आवश्यक वस्तुएं आज उपलब्ध नहीं हैं । डीजल की कमी है । खाने पीने की चीजें, अनाज, तेल, प्याज, मक्खन आदि का नितान्त अभाव है । बिजली की सप्लाई थोड़े ही दिनों में बन्द हो जाएगी । जिस से लोगों के रोजमर्रा के जीवन में उथल पुथल हो जाएगी । आने जाने के लिए बस आवागमन चन्द दिनों में बिल्कुल ही बन्द हो जाएगा । प्रायः बर्फ गिरने से पहले इन सब चीजों की पर्याप्त सप्लाई की व्यवस्था कर देनी चाहिए थी । अन्य राज्यों में प्राकृतिक विपदा, बाढ़, चक्रावत, समुद्री तूफान के आने और इन सब से धन जन की हानि होने पर केन्द्रीय सरकार ने समय समय पर सहायता प्रदान की है । इसी प्रकार लद्दाख में हिमपात के भयंकर प्राकृतिक कोप के कारण लोगों को जिन भयावह कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, केन्द्र सरकार उन सब का अध्ययन एवं लेखा जोखा तैयार कर स्थायी योजना बनाए । लद्दाख हमारी सीमा पर स्थित महत्वपूर्ण क्षेत्र है । यहां अत्याधिक पिछड़ापन, गरीबी और बेरोजगारी है । इस वर्ष के अभूतपूर्व हिमपात से उन की कठिनाइयां बहुत बढ़ गई हैं । अतः मैं केन्द्र सरकार से प्रार्थना करती हूं कि भारतीय वायु सेना की सहायता से तुरन्त वहां आवश्यक वस्तुएं पहुंचाई जायें और भविष्य में इस प्रकार की प्राकृतिक विपदा में लोगों की रक्षा और इस क्षेत्र में आवश्यक वस्तुएं नियमित रूप से उपलब्ध कराने के लिये स्थायी एवं नियमित योजना बनाई जाये । मैं गृह मंत्री महोदय से प्रार्थना करती हूं कि इस संबंध में सरकार द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में लोक सभा में वह वक्तव्य देने की कृपा करें ।

(iv) REPORTED TRAFFIC RESTRICTIONS IMPOSED BY POLICE COMMISSIONER, DELHI ON THE OCCASION OF KISAN RALLY TO BE HELD ON 23RD DECEMBER, 1978.

श्री मनीराम बागड़ी (मथुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आज पहली दफा—......

उपाध्यक्ष महोदय : आप स्टेटमेंट पढ़िये ।

श्री मनीराम बागड़ी : डा० लोहिया और महात्मा गांधी के स्वप्न साकार हो रहे हैं ।:....

उपाध्यक्ष महोदय : स्टेटमेंट में यह नहीं है ।

श्री मनीराम बागड़ी : मैं जरा बता दूं कि भारत के किसान इकट्ठा हुए और आज किसान लौबी इतनी जबरदस्त बन गई ।

नियम 370 के अन्तर्गत बयान की जो आपने अनुमति दी है उसको पढ़ रहा हूं । उसकी जरूरत इसलिये पड़ गई कि 23 दिसम्बर को होने वाली जो किसान सम्मेलन की रैली है उससे नौकरशाही घबरायी है और कुछ पाबन्दी के सर्कुलर्स जारी हुए हैं ।

23 दिसम्बर को किसान सम्मेलन की तरफ से सम्पूर्ण भारत के किसानों को चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस पर इकट्ठा होने का बुलावा दिया है ताकि भारतवर्ष के किसान गैर-राजनीतिक